

Code No. 1751

CLASS : 11th (Eleventh)

Series : 11-April/2021

रोल नं० □□□□□□□□□

उत्तर मध्यमा (प्रथम वर्ष) संस्कृत व्याकरणम् भाग – 1 कोड 1101 (आर्ष पद्धति)

(Only for Fresh/School Candidates)

समय : $2\frac{1}{2}$ घण्टे]

[पूर्णांक : 80

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 तथा प्रश्न 44 हैं।
- प्रश्न-पत्र में सबसे ऊपर दिये गये कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें।
- कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

नोट : सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

भाग – क

(बहुविकल्पीयप्रश्नाः)

निर्दिष्टानां प्रश्नानां प्रदत्तेषु उत्तर-विकल्पेषु शुल्दं उत्तरं विचित्य लिखत -

$1 \times 40 = 40$

1. वेतेरिंभाषा, अस्मात् सुत्रात् एवं सूत्रमस्ति -

(क) झोन्तः

(ख) अतो भिस ऐसु

(ग) शीडो रुट्

(घ) डेर्यः

2. जसः शी, अस्मात् सूत्रात् उत्तरं सूत्रमस्ति -

(क) नपुंसकाच्च

(ख) षड्भ्यो लुक्

(ग) अतोम्

(घ) शसो न

3. सिचिवृद्धिः परस्मैपदेषु, वद्रजहलन्तस्याचः, अनयोः मध्यगतं सूत्रमस्ति -

- | | |
|-------------------|---------------------|
| (क) नैटि | (ख) ऊर्णोतेर्विभाषा |
| (ग) अतो हलादेलघोः | (घ) अतोलरान्तस्य |

4. रधादिभ्यश्च, अस्मात् सूत्रात् उत्तरं सूत्रमस्ति -

- | | |
|--------------|----------------|
| (क) पूडश्च | (ख) निरः कुषः |
| (ग) उदितो वा | (घ) इट् सनि वा |

5. झयः, अस्मात् सूत्रात् उत्तरं सूत्रमस्ति -

- | | |
|------------------------|----------------|
| (क) न डिः सम्बुद्ध्योः | (ख) संज्ञायाम् |
| (ग) अनो नुट् | (घ) ग्रो यडिः |

6. हलादिशेषः, कुहोश्चुः, अनयोः मध्यगतं सूत्रमस्ति -

- | | |
|--------------------|-----------|
| (क) शर्पूर्वाः खयः | (ख) हस्वः |
| (ग) न कवतेर्यडिः | (घ) उरत् |

7. अष्टमाध्याये तृतीयपादस्य प्रथमं सूत्रमस्ति -

- | | |
|--------------------------------|----------------------------|
| (क) पूर्वत्रासिद्धम् | (ख) सर्वस्य द्वे |
| (ग) मतुवसो रु सम्बुद्धौ छन्दसि | (घ) रषाभ्यां नो णः समानपदे |

8. सर्वस्य द्वे, तस्य परमाप्रेडितम्, अनुदात्तं च, परेर्वज्ञे। क्रमपूर्तैँ उचितं सूत्रं चिनुत -

- | | |
|---------------------|-------------|
| (क) नित्यं वीप्सयोः | (ख) ति च |
| (ग) बहुलं छन्दसि | (घ) आबाधे च |

9. लोट् च, हन्तच, अनयोः मध्यगतं सूत्रमस्ति -

- | | |
|------------------------------|---------------------|
| (क) विभाषित सोपसर्गमनुत्तमम् | (ख) शेषे विभाषा |
| (ग) चादिषु च | (घ) चवा योगे प्रथमा |

10. सप्तमाध्याये प्रथमपादस्य अन्तिमं सूत्रमस्ति -

- | | |
|-------------------|------------------|
| (क) उपधायाश्च | (ख) ऋत इद्धातोः |
| (ग) अम् सम्बुद्धौ | (घ) बहुलं छन्दसि |

11. अतो भिस ऐश् अत्र भिसः पदे विभक्तिवचने स्तः -

- | | |
|---------|---------|
| (क) 6.1 | (ख) 5.1 |
| (ग) 1.1 | (घ) 2.3 |

12. नेदमदसोरकोः अत्र इदमदसौः पदे विभक्तिवचने स्तः -

- | | |
|---------|---------|
| (क) 7.2 | (ख) 1.1 |
| (ग) 6.2 | (घ) 1.3 |

13. पूर्वादिभ्यो नवभ्यो वा अत्र पूर्वादिभ्यः पदे विभक्तिवचने स्तः -

- | | |
|---------|---------|
| (क) 3.2 | (ख) 5.2 |
| (ग) 6.1 | (घ) 4.2 |

14. विदेः शतुर्वसुः अत्र वसुः विभक्तिवचने स्तः -

- | | |
|---------|---------|
| (क) 5.1 | (ख) 3.1 |
| (ग) 2.1 | (घ) 1.1 |

15. इदितो नुम् धातोः अत्र इदितः पदे विभक्तिवचने स्तः -

- | | |
|---------|---------|
| (क) 5.1 | (ख) 3.1 |
| (ग) 6.1 | (घ) 1.1 |

16. “युवोरनाकौ” अत्र “अनाकौ” पदे समासः अस्ति -

- | | |
|------------------------|--------------------|
| (क) समाहरद्वन्द्वः | (ख) षष्ठीतत्पुरुषः |
| (ग) इतरेतरयोगद्वन्द्वः | (घ) तत्पुरुषः |

17. ‘डे प्रथमयोरम्’ अत्र “प्रथमयोः” पदे समासः अस्ति -

- | | |
|------------------------|--------------------|
| (क) समाहरद्वन्द्वः | (ख) षष्ठीतत्पुरुषः |
| (ग) इतरेतरयोगद्वन्द्वः | (घ) एकशेषद्वन्द्वः |

18. “दृढः स्थूलबलयोः” अत्र “स्थूलबलयोः” पदे समासः अस्ति -

- | | |
|--------------------|------------------------|
| (क) समाहरद्वन्द्वः | (ख) षष्ठीतत्पुरुषः |
| (ग) बहुव्रीहिः | (घ) इतरेतरयोगद्वन्द्वः |

19. “रधादिभ्यश्च” अत्र “रधादिभ्यः” पदे समासः अस्ति -

- | | |
|------------------------|--------------------|
| (क) बहुव्रीहिः | (ख) षष्ठीतत्पुरुषः |
| (ग) इतरेतरयोगद्वन्द्वः | (घ) तत्पुरुषः |

20. “प्रकारे गुणचनस्य” अत्र “गुणवचनस्य” पदे समासः अस्ति -

- | | |
|--------------------|-------------------|
| (क) समाहरद्वन्द्वः | (ख) षष्ठीतत्पुरुष |
| (ग) उपपदतत्पुरुषः | (घ) तत्पुरुषः |

21. “आयनेयीनीयीयः फढखछधां प्रत्ययादीनाम्” अनेन सूत्रेण छ स्थाने आदेशः भवति -

- | | |
|--------|---------|
| (क) ईय | (ख) आयन |
| (ग) ईन | (घ) एय |

22. जश्शसोः शिः अनेन सूत्रेण विधीयते -

- | | |
|------------------------|--------------------|
| (क) जसः स्थाने शस् | (ख) शोः स्थाने जस् |
| (ग) जसः शसः स्थाने शिः | (घ) शसः स्थाने जस् |

23. अतो लरान्तस्य अनेन सूत्रेण -

- | | |
|---------------------|-----------------------|
| (क) वृद्धिः विधीयते | (ख) वृद्धिः निषिध्यते |
| (ग) दीर्घः विधीयते | (घ) हस्वः निषिध्यते |

24. सुपि च अनेन सूत्रेण विधीयते -

- | | |
|-----------|-------------|
| (क) लोपः | (ख) दीर्घः |
| (ग) हस्तः | (घ) वृद्धिः |

25. जुसि च अनेन सूत्रेण विधीयते -

- | | |
|-----------|-------------|
| (क) लोपः | (ख) दीर्घः |
| (ग) हस्तः | (घ) वृद्धिः |

26. हलि च अनेन सूत्रेण विधीयते -

- | | |
|-----------|------------|
| (क) गुणः | (ख) दीर्घः |
| (ग) हस्तः | (घ) लोपः |

27. शासिवसिघसीनाऽच अनेन सूत्रेण विधीयते -

- | | |
|--------------------|-------------------|
| (क) विसर्जनीयादेशः | (ख) मूर्धन्यादेशः |
| (ग) षट्कादेशः | (घ) वकारादेशः |

28. “परमार्थः” अत्र पदच्छेदः भविष्यति -

- | | |
|------------------|-----------------|
| (क) पर + रमार्थः | (ख) पर + मार्थः |
| (ग) परमा + अर्थः | (घ) परम + अर्थः |

29. “महर्षिः” पदे का सन्धिः -

- | | |
|------------------|------------------|
| (क) दीर्घसन्धिः | (ख) गुणसन्धिः |
| (ग) वृद्धिसन्धिः | (घ) परस्परसन्धिः |

30. “उपार्छति” पदे का सन्धिः -

- | | |
|------------------|------------------|
| (क) दीर्घसन्धिः | (ख) गुणसन्धिः |
| (ग) वृद्धिसन्धिः | (घ) परस्परसन्धिः |

31. “अग्रेऽत्र” पदे का सन्धिः -

- | | |
|--------------------|-----------------|
| (क) पूर्वरूपसन्धिः | (ख) गुणसन्धिः |
| (ग) वृद्धिसन्धिः | (घ) पररूपसन्धिः |

32. “गवेन्द्रः” अत्र आदेशः भवति -

- | | |
|----------------|----------------|
| (क) अव् आदेशः | (ख) आव आदेशः |
| (ग) उवङ् आदेशः | (घ) अवङ् आदेशः |

33. “वाप्यश्चः” अत्र पदच्छेदः भविष्यति -

- | | |
|-------------------|------------------|
| (क) वापि + अश्चः | (ख) वापी + अश्चः |
| (ग) वाप्य + अश्चः | (घ) वाप्य + श्चः |

34. “अनचि च” अनेन सूत्रेण विधीयते -

- | | |
|---------------|----------|
| (क) द्वित्वम् | (ख) लोपः |
| (ग) वृद्धिः | (घ) गुणः |

35. “विष्णुमित्रस्” + शोभते अत्र सन्धिपदं भविष्यति -

- | | |
|-----------------------|------------------------|
| (क) विष्णुमित्र शोभते | (ख) विष्णुमित्रो शोभते |
| (ग) विष्णुमित्रशोभते | (घ) विष्णुमित्रश्शोभते |

36. “प्र + एलति” अत्र सन्धिपदं भविष्यति -

- | | |
|--------------|-------------|
| (क) प्रैलति | (ख) प्रेलति |
| (ग) प्रयेलति | (घ) प्रलयति |

37. “विद्यानन्दः” पदे सन्धिरस्ति -

- | | |
|------------------|-----------------|
| (क) पररूपसन्धिः | (ख) दीर्घसन्धिः |
| (ग) वृद्धिसन्धिः | (घ) गुणसन्धिः |

38. “सूर्योदयः” पदे सन्धिरस्ति -

- | | |
|--------------------|-----------------|
| (क) पूर्वरूपसन्धिः | (ख) दीर्घसन्धिः |
| (ग) वृद्धिसन्धिः | (घ) गुणसन्धिः |

39. “महौषधम्” पदे सन्धिरस्ति -

- | | |
|------------------|-----------------|
| (क) पररूपसन्धिः | (ख) दीर्घसन्धिः |
| (ग) वृद्धिसन्धिः | (घ) गुणसन्धिः |

40. “शकन्थुः” पदे सन्धिरस्ति -

- | | |
|--------------------|-----------------|
| (क) पूर्वरूपसन्धिः | (ख) पररूपसन्धिः |
| (ग) वृद्धिसन्धिः | (घ) गुणसन्धिः |

भाग - ख

(निबन्धात्मकप्रश्नाः)

41. निर्दिष्टेषु कान्यपि चत्वारि सूत्राणि व्याख्येयानि -

$5 \times 4 = 20$

- (1) युवोरनाकौ
- (2) षट्चतुर्भ्यश्च
- (3) दिव औत्
- (4) अचोऽज्ञिति
- (5) बहुवचनस्य वस्त्रसौ
- (6) चोः कुः

(लघूत्तरप्रश्नाः)

42. निर्दिष्टानां सूत्राणामग्रे षट् षट् सूत्राणि लिखत -

$3 \times 2 = 6$

- (1) औड़ आपः
- (2) पतः पुम्

(अतिलघूत्तरप्रश्नाः)

43. निर्दिष्टपदेनां सूत्रनिर्देशपूर्वकं सन्धि प्रदर्शयत - $2 \times 3 = 6$

- (1) मही + इनः
- (2) ब्रह्मा + ऋषिः
- (3) सुखेन + ऋतः

44. निर्दिष्टपदेषु सूत्रकार्यमुल्लिख्य विग्रहं प्रदर्शयत - $2 \times 4 = 8$

- (1) उपैति
- (2) गवाश्यम्
- (3) वागत्र
- (4) कार्यम्

